Release of amount from Central Road Fond to Karnataka

1474. SHRI K. RAHMAN KHAN: Win the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state;

(a) bow much, amount of Central Road Fund is due to Karnataka State on account of levy on Petrol and diesel as on 31st December, 1994:

(b) whether Karnataka Government has made any demand for release of funds in this behalf;

(c) how much funds have been released by the Central Government and how much is still due; and

(d) how rnuch more time the Centre will take to release the balance of funds which are still due?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER); (a) The tentative accruals to the State of Karnataka on account of levy of petrol as on 31-12-94 is about Rs, 21.52 crores.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d) A sum of Rs. 17.81 crores has been released by the Central Government till 31-3-94, Balance funds will be released in future depending upon availability *ot* funds.

राष्ट्रीय राजमार्गों हेतु राज्यों को धनराशि का आबंटन

1475. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने विगत तीन वर्षों में देश के किन-किन राजमार्गों के विस्तार एवं रख-रखाव हेतु विभिन्न राज्यों को कितनी-कितनी राशि आबंटित की है ;

(ख) देश के विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई का ब्यौरा क्या है ;

(ग) विगत तीन वर्षो में जिन-जिन राज्यों को विस्तार एवं मरम्मत हेतु राशियों का आबंटन किया गया था क्या उनमें से किसी राज्य ने उक्त निर्माण कार्य न हो पाने की वजह से केन्द्र को कोई धनराशि वापिस की है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव तथा मरम्मत के लिए निधियों का आबंटन राष्ट्रीय राजमार्गों के अनुसार नहीं बल्कि राज्यवार किया जाता है । पिछले तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव तथा मरम्मत के लिए आबंटित की गई राशियां विवरण-I के रूप में संलग्न हैं (नीचे देखिये)

(ख) विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय राज-मार्गों की लम्बाई का एक विवरण II के रूप में संलग्न है (नीचे देखिये)

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।